भूगोल के उपविभाग

प्राकृतिक वातावरण तथा मानव-जीवन में पारस्परिक क्या सम्बन्ध है, तथा इन दोनों में क्या तथा कैसी क्रियाएँ तथा प्रतिक्रियाएँ हुई हैं, इनका विस्तृत ज्ञान प्राप्त करने के लिए इस विषय का कई रूपों में अध्ययन होता है। विषय के अनुरूप भूगोल के कई उप-विभाग कर दिये गये।

प्रादेशिक भूगोल के अतिरिक्त भूगोल के निम्नांकित उपविभाग हैं-

(1) प्राकृतिक भूगोल :- भूगोल के इस उपविभाग में संसार का प्राकृतिक भूगोल तथा प्राकृतिक भूगोल के सिद्धान्तों का अध्ययन करते हैं।

पृथ्वी धरातल पर कतिपय घटनाएँ अवश्य घटित होती हैं, चाहे मनुष्य उस पर रहे, चाहे न रहे, इन घटनाओं का अध्ययन प्राकृतिक भूगोल का क्षेत्र है।

(2) मानवीय भूगोल :-

पृथ्वी के धरातल पर कुछ घटनाएँ अवश्य होती हैं, जो मनुष्य के धरातल पर रहने से होता है। मनुष्य जहाँ पृथ्वी के धरातल पर रहता है, कुछ न कुछ अवश्य करता है। जैसे- कृषि, पशुपालन, नगर वृद्धि आदि।

भिन्न-भिन्न भौगोलिक प्रदेशों के निवासियों के जीवन के विषय में अध्ययन किया जाता है। भौगोलिक ~~प्रदेशों के निवासियों~~ के परिस्थितियों के उस प्रभाव का भी अध्ययन किया जाता है, जो मनुष्य के रहन-सहन, स्वभाव तथा मानसिक एवं शारीरिक अवस्था पर पड़ता है। इसका क्षेत्र बहुत ही विस्तृत है। इसे सांस्कृतिक भूगोल भी कहते हैं।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताजा, बलिया

③ आर्थिक भूगोल :-

भूगोल का वह उपविभाग है, जो समस्त भौगोलिक वातावरण का मानव के आर्थिक क्रिया-कलापों पर पड़े प्रभाव का अध्ययन करता है।

आजकल के युग में इस प्रकार के भूगोल का महत्व है; क्योंकि संसार के सभी देश अपनी-अपनी आर्थिक दशा सुधार रहे हैं। यह मानव भूगोल का ही एक भाग है। मानव-भूगोल बहुत विस्तृत है तथा आर्थिक भूगोल उसी का एक भाग है।

④ राजनैतिक भूगोल :-

उच्च कक्षाओं में ही इस प्रकार के भूगोल का महत्व है। पहले भूगोल का अध्ययन राजनैतिक दृष्टि से इकाई मानकर किया जाता था; इस प्रकार के भूगोल को अस्वाभाविक माना जाता है, भूगोल का सम्बन्ध प्राकृति से है, राजनीतिक सीमाएँ कृत्रिम और मनुष्य द्वारा बनायी ~~जाती है~~ गयी हैं। इसके स्थान पर प्रादेशिक भूगोल अधिक वैज्ञानिक समझा जाता है। प्रादेशिक दृष्टिकोण की प्रधानता होते हुए भी राजनीतिक सीमाओं का यथेष्ठ ध्यान रखना चाहिए।

⑤ ऐतिहासिक भूगोल :-

इस भूगोल का क्षेत्र भौगोलिक वातावरण का मानव क्रिया-कलापों पर पड़े प्रभाव का अध्ययन करता है।

भौगोलिक ~~क्षेत्र~~ तत्वों का मानव क्रिया-कलापों पर क्या प्रभाव पड़ता है और वे इतिहास को कैसे बदल सकते हैं, इन सभी बातों का ज्ञान विद्यार्थियों के लिए आवश्यक है।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

26/08/20